सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 91 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 7 मई, 2026
मूल्य ₹ 3/-

पहले कठिन काम पूरा कीजिये। आसान काम खुद-ब-खुद पूरे हो जायेंगे।
-डेल कार्नेगी

अभिषेक शर्मा और ईशान किशन का... 7 | पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम पर... 3 | चुनाव में भाजपा ने की जमकर... 2

तमिलनाडु में लुका-छुपी तो बंगाल में हत्याएं

चुनाव बाद लोकतंत्र पर हिंसा और सौदेबाजी की दोहरी मार

» पश्चिम बंगाल में सीएम पद के दावेदार के पीए की सरे राह की गई हत्या

» जनादेश तो आया लेकिन बड़ा सवाल क्या लोकतंत्र बचा?

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु में विधायक रिसॉर्ट में बंद हैं तो पश्चिम बंगाल में राजनीतिक कार्यकर्ताओं की लाशें सड़कों पर गिर रही हैं। कहीं पार्टी बचाने की जुगत चल रही है। तो कहीं राजनीतिक बदले की आग में लोकतंत्र झुलस रहा है।

जनता ने वोट देकर सरकार तो चुन ली। लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद जो तस्वीर सामने आ रही है उसने पूरे देश को सवाल पूछने पर मजबूर कर दिया है। आखिर यह कैसा लोकतंत्र है जहां चुनाव परिणाम आते ही राजनीतिक दल अपने ही विधायकों को सुरक्षित कैद में भेज देते हैं? और यह कैसी राजनीति है जहां विरोधी दल के नेताओं और उनके करीबी लोगों को खुलेआम निशाना बनाया जा रहा हैं?

पश्चिम बंगाल में जारी है हिंसा

पश्चिम बंगाल में हिंसा का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। चुनाव खत्म हुए नतीजे आ गए लेकिन सड़कों पर तनाव अब भी कायम है। बीजेपी हो या फिर टीएमसी दोनों राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता एक दूसरे को निशाने पर ले रहे है और इस पूरे घटनाक्रम में अबतक आधा दर्जन से ज्यादा राजनीतिक वर्कर के मारे जाने की सूचना है। आगजनी हमले और राजनीतिक प्रतिशोध की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। ताजा घटनाक्रम में मुख्यमंत्री पद के दावेदार माने जा रहे सुवेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी की कार रोककर हत्या कर दिये जाने के बाद पूरे बंगाल का महौल गर्म हो चुका है। बीजेपी ने सीधे तौर पर ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी पर हत्या कराये जाने के आरोप लगाए हैं। वहीं टीएमसी खुद को इस मामले से अलग बताते हुए सीबीआई जांच की मांग कर रही है।

सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के उत्तर 24 परगना जिले के मध्यग्राम (बरासत क्षेत्र) से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया

है। जानकारी के अनुसार मध्यग्राम इलाके में चंद्रनाथ को गोली मारी गई। गोली लगने के बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें पास के डायवर्सिटी नर्सिंग होम ले जाया गया लेकिन उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। हत्या का आरोप टीएमसी कार्यकर्ताओं पर लगाया गया है। वारदात की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में जुट गई है और हमलावरों की तलाश जारी है।

सुवेंदु अधिकारी ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा है कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व अभी भी सक्रिय हैं। भाजपा की सरकार बनने के बाद पार्टी से जुड़ाव या बिना किसी भेदभाव के सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

तमिलनाडु में राजनीतिक थ्रिल

दूसरी तरफ तमिलनाडु में सत्ता की राजनीति किसी थ्रिलर फिल्म जैसी नजर आ रही है। टीवीके प्रमुख विजय थलापती के सरकार गठन के दावे के बाद एआईएडीएमके ने अपने विधायकों को रिसॉर्ट में भेज दिया है। पार्टी को डर है कि कहीं सत्ता की खींचतान में विधायक टूट न जाएं। लोकतंत्र के मंदिर में चुने गए जनप्रतिनिधि अब जनता के बीच नहीं बल्कि आलीशान रिसॉर्ट्स में नजरबंद हैं। यह वही

राजनीति है जिसमें जनता वोट देती है लेकिन चुनाव के बाद सबसे ज्यादा अविश्वास नेताओं को अपने ही विधायकों पर होता है। पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ने विजय थलापती को खुली चुनौती दी है कि अगर दम है तो सरकार बनाकर दिखाओ और चला कर दिखाओ। यानी अब लड़ाई सिर्फ सीटों की नहीं बल्कि राजनीतिक अस्तित्व की बन चुकी है।

हत्या में फर्जी नंबर प्लेट वाली गाड़ी का इस्तेमाल

अब तक की जांच में सामने आया है कि हत्या में इस्तेमाल की गई गाड़ी पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। घटनास्थल से इस्तेमाल किए गए कारतूसों के खोखे और कुछ कारतूस भी बरामद किए गए हैं। मामले की विस्तृत जांच जारी है। राज्य पुलिस सूत्रों ने चश्मदीदों के हवाले से बताया है कि शुरुआत में ऐसा लगा था कि चंद्रनाथ रथ की कार का काफी देर तक एक चार पहिया गाड़ी पीछा कर रही थी। जब उनकी गाड़ी मध्यग्राम के दोहरिया मोड़ पर पहुंची तब पीछा कर रही गाड़ी ने उनकी कार को ओवरटेक कर रास्ता रोका और हमलावरों ने उन पर गोली चला दी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिस सटीक तरीके से वारदात को अंजाम दिया गया उससे साफ है कि यह पूरी तरह से सुनियोजित हत्या थी और इसमें पेशेवर शूटर शामिल थे। इस बीच सलीक भट्टाचार्य ने दावा किया कि चंद्रनाथ रथ की हत्या टीएमसी नेतृत्व की साजिश का नतीजा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारी हार से परेशान होकर यह साजिश रची गई। भट्टाचार्य ने कहा कि मैं शुरू से कह रहा था कि चुनाव परिणाम आने और नई कैबिनेट बनने के बीच के अंतरिम समय में राज्य में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है।

टीएमसी ने सीबीआई जांच की मांग की

टीएमसी ने सुवेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी की हत्या की निंदा करते हुए इस पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग की है। तृणमूल कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर हिंसा की निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पार्टी ने अपने बयान में कहा है कि हम मध्यग्राम में चंद्रनाथ रथ की निर्मम हत्या की कड़ी निंदा करते हैं। इसके साथ ही पिछले तीन दिनों में आचार संहिता लागू होने के बावजूद भाजपा समर्थित बदमाशों द्वारा कथित तौर पर की गई चुनाव बाद हिंसा में तीन टीएमसी कार्यकर्ताओं की हत्या की भी निंदा करते हैं। बयान में कहा गया है कि हम इस मामले में सबसे कड़ी कार्रवाई की मांग करते हैं जिसमें अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच भी शामिल हो ताकि दोषियों की पहचान कर उन्हें जल्द से जल्द सजा दिलाई जा सके। लोकतंत्र में हिंसा और राजनीतिक हत्याओं की कोई जगह नहीं है और दोषियों को जल्द जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सांसद सायोनी घोष ने भी इस घटना पर चिंता जताई और हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की अपील की। सायोनी घोष ने एक्स पर लिखा है कि चंद्रनाथ रथ से जुड़ी घटना बेहद चिंताजनक है। पार्टी राजनीति और वैचारिक मतभेदों से ऊपर उठकर हम सभी की जिम्मेदारी है कि राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखें और हर व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने लिखा है कि इस तरह किसी की जान नहीं जानी चाहिए। पिछले कुछ दिनों में हुई हर हिंसक घटना से जुड़े दोषियों के खिलाफ पुलिस-प्रशासन से सख्त कार्रवाई और कड़े कदम उठाने की अपील करती हूं।

चुनाव में भाजपा ने की जमकर बेईमानी : अखिलेश

» बोले सपा प्रमुख- इसके सैकड़ों वीडियो और शिकायतों के बंडल मेरे पास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा को घेरा। उन्होंने बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव में आखिरी वक्त तक मजबूती से खड़ा रहा और जीत हासिल की, लेकिन अल्पमत की सरकार बनने के बाद भी विपक्षी दलों के साथ बेईमानी की गई।

अखिलेश यादव ने चंडीगढ़ और कुंदरकी सहित विभिन्न स्थानों पर हुई कथित अनियमितताओं को लेकर भाजपा के 10 नम्बरी मॉडल का जिक्र किया। आरोप लगाया कि भाजपा चुनावी प्रक्रिया में धांधली कर सत्ता बनाए रखने की कोशिश कर रही है। उपचुनाव में मल्टी लेयर इलेक्शन माफिया का खेलकुंदरकी और रामपुर उपचुनाव को लेकर अखिलेश यादव ने सबसे तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इन चुनावों में भारी धांधली हुई है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव सात मई को ममता बनर्जी से मिलने के लिए कोलकाता जाएंगे। वह पहले ही फोन पर ममता बनर्जी से बात कर चुके हैं। चुनाव हारने के बाद ममता बनर्जी ने अपनी पहली पत्रकार वार्ता में इस बात का जिक्र किया था कि अखिलेश यादव ने उन्हें फोन किया था। सूत्रों के अनुसार अखिलेश यादव वहां ममता बनर्जी के साथ पत्रकार वार्ता भी कर सकते हैं। आगे की रणनीति का खुलासा उसी वार्ता में हो सकता है। इसके पहले ममता बनर्जी यह साफ कर चुकी हैं कि वह इस्तीफा देने राजभवन नहीं जाएंगी।

पश्चिम बंगाल में वोट की शर्मनाक लूट

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा ने वोट की शर्मनाक लूट की। पुलिस प्रशासन का अवैध इस्तेमाल करने में उसे कतई संकोच नहीं किया। उत्तर प्रदेश में पीडीए की काट भाजपा के पास नहीं है। पीडीए का वोट सबसे ज्यादा है। इसलिए भाजपा बौखलाई हुई है। अखिलेश मंगलवार को प्रदेश सपा मुख्यालय पर बड़ी संख्या में आए कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 027 के विधानसभा चुनाव में लोकतंत्र और संविधान दोनों को बचाने की बड़ी लड़ाई होगी। सपा आधी आबादी को प्रतिनिधित्व देने के लिए संकल्पित है।

महिलाओं का आरक्षण पार्टी आधारित होना चाहिए

महिलाओं का आरक्षण पार्टी आधारित होना चाहिए। पहले जातीय जनगणना हो, फिर आबादी के अनुपात में आरक्षण की व्यवस्था लागू हो। इस दौरान सपा अध्यक्ष ने प्रतापगढ़ के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में टॉपर छात्रों सत्यम यादव एवं ईशान शुक्ला को लैपटॉप देकर सम्मानित किया।

रिवॉल्वर दिखाकर महिलाओं को वोट डालने से रोका गया

सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने बुधवार को भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा ने आज वोट की लूट की है, कल आरक्षण की लूट करेगी। भाजपा के दस नंबरी मॉडल ने लोकतंत्र को जकड़ लिया है। एक विचारधारा विशेष के अधिकारियों, मुनाफाखोर धन्नासेठों और ठेकेदारों का डेमोक्रेटिक क्राइम गैंग (लोकतांत्रिक अपराध गैंग-डीसीजी) बन गया है। अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव में जिस तरह के हालात का सामना किया, उसी तरह की स्थितियों का सामना 22 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने किया था। तमाम बूथों और विधानसभा क्षेत्रों के मतगणना केंद्रों में केंद्रीय बलों को लगाकर पोलिंग बूथों से एजेंटों को बाहर निकाल दिया गया। रिवाल्वर दिखाकर महिलाओं को वोट देने से रोका गया था। वह महिलाएं डरकर रुकी नहीं थीं बाद में उन्हें सपा ने सम्मानित किया था। 1खिलेश यादव ने कहा कि भाजपा मतगणना नहीं मनगणना करवाती है। पहले से ही तय हो जाता है कि किसे जिताना है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट तत्काल पश्चिम बंगाल मतगणना में हुई धांधलियों का संज्ञान ले और मतगणना के सीसीटीवी देश के सामने उपलब्ध करवाए। मतगणना सीसीटीवी के सामने लाइव होनी चाहिए। भाजपा मल्टीलेयर भ्रष्टाचार करके वोटों की लूट कर रही है।

अखिलेश से मिलीं अंजलि कहा आपके लिए 10 नौकरी कुर्बान

अंजलि मैसी नाम की एक दलित युवती बुधवार को सपा मुख्यालय पहुंची। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ही अंजलि ने भावुक होकर सपा प्रमुख से कहा कि आपके लिए ऐसी 10 नौकरियां कुर्बान हैं। मेरे पिता ने आपके लिए यही संदेश भेजा है। अंजलि का आरोप है कि 14 अप्रैल को उसने अखिलेश यादव को भंडारे में पूड़ी खिलाई थी। इस कारण सरकार ने उनके पिता को सुपरवाइजर पद से डिमोशन कर सफाईकर्मी बना दिया। अंजलि लखनऊ की रहने वाली हैं।

गोरखपुर की टॉपर को लैपटॉप देकर किया सम्मानित

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोरखपुर जिले में आईसीएसई बोर्ड परीक्षा में प्रथम स्थान पाने वाली आराधना गुप्ता को लैपटाप देकर सम्मानित किया।

बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे यूपी सरकार : हुड्डा

विनेश फोगाट केस पर कांग्रेस नेता सख्त, कहा- महिला पहलवान के आरोप नए नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक । हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने पहलवान और जुलाना से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट से जुड़े मुद्दे पर बयान देते हुए कहा कि उनके आरोप कोई नए नहीं हैं। उन्होंने याद दिलाया कि महिला पहलवानों ने पहले भी दिल्ली के जंतर-मंतर पर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया और बीजेपी नेता बृजभूषण को लेकर अपना विरोध दर्ज करवाया था।

विनेश फोगाट ने कहा था कि जो कुश्ती प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश में आयोजित की जा रही है, वहां बृज भूषण शरण सिंह का निजी शिक्षण संस्थान है। ऐसे स्थान पर मेहनत करने वाले खिलाड़ियों को उनका अधिकार मिलना बेहद कठिन है। उन्होंने आरोप लगाया कि किस मुकाबले में कौन निर्णायक होगा, किसे कितने अंक दिए जाएंगे और किस खिलाड़ी को जिताया या हराया जाएगा, इस पर प्रभाव डाला जा सकता है। हुड्डा ने कहा कि रेसलिंग फेडरेशन और उत्तर प्रदेश सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमारी बेटियों के साथ छेड़छाड़ किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राज्यों में चुनाव निष्पक्ष नहीं हुए हैं

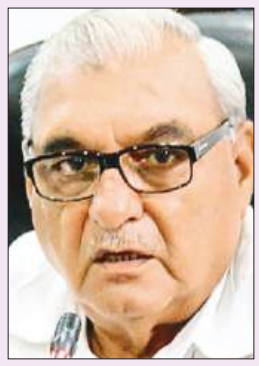

इसके अलावा पूर्व सीएम ने बंगाल व असम में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा दोनों राज्यों में चुनाव निष्पक्ष नहीं हुए हैं। चुनाव आयोग की भूमिका संदिग्ध रही है। कांग्रेस केरल में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में सफल रही है। तमिलनाडु में एक बार फिर गठबंधन की सरकार बनाई है। हरियाणा की तीनों नगर निगम चुनावों में कांग्रेस भारी बहुमत से जीत हासिल करेगी। सभी निगमों में कांग्रेस के मेयर व पार्षद चुने जाएंगे। पूर्व सीएम ने कहा कि जिन नगर पालिका क्षेत्रों में कांग्रेस अपने चुनाव चिह्न पर चुनाव नहीं लड़ रही है, वहां जनता से अपील है कि वह उस मजबूत उम्मीदवार को वोट दें जो भाजपा को हराने की क्षमता रखता हो। भाजपा को किसान व मजदूर विरोधी पार्टी बताते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है। आम आदमी लगातार महंगाई की मार झेल रहा है।

हिंसा न भड़काई जाय : प्रियंका

» शिवसेना यूबीटी नेता शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या पर स्तब्ध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता शुभेंदु अधिकारी के पीएम की निर्मम हत्या की वारदात ने लोगों को हिला कर रख दिया है। इस महाराष्ट्र की पूर्व राज्यसभा सांसद और उद्धव ठाकरे गुट की नेता प्रियंका चतुर्वेदी का बड़ा बयान आया है। प्रियंका चतुर्वेदी इस जघन्य हत्याकांड के बाद से स्तब्ध हैं।

उन्होंने कहा कि चुनाव परिणामों के आधार पर हिंसा नहीं भड़काई जानी चाहिए।शिवसेना यूबीटी की सीनियर नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, शुभेंदु अधिकारी के सहायक चंद्रनाथ रथ की टारगेट किलिंग की खबर सुनकर मैं स्तब्ध और दुखी हूं, चुनाव परिणामों के आधार पर हिंसा नहीं भड़काई जानी चाहिए जिससे राज्य में कानून व्यवस्था बिगड़ जाए। वहीं, उन्होंने आगे लिखा, मुझे उम्मीद है कि पश्चिम बंगाल पुलिस इस जघन्य अपराध के आरोपियों को कानून के अनुसार कड़ी सजा दिलवाएगी. रथ के परिवार, उनके मित्रों, सहकर्मियों और श्री अधिकारी के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

पूरी व्यवस्था और तंत्र भाजपा के कब्जे में : तेजस्वी यादव

» राजद नेता बोले - बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणाम अप्रत्याशित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए परिणाम को अप्रत्याशित बताया और साथ ही अपनी पार्टी की विचारधारा और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

पटना में पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा कि हमें बंगाल में इस तरह के नतीजों की उम्मीद नहीं थी। लेकिन चूंकि भाजपा सत्ता में है, इसलिए पूरी व्यवस्था और तंत्र उनके हाथों में है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी विचारधारा यह है कि हार-जीत ज्यादा मायने नहीं रखती, कई चुनाव होंगे, आते रहेंगे, लेकिन हम अपनी विचारधारा, अपनी नीतियों और सिद्धांतों के लिए लड़ेंगे और भाजपा-आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ हमेशा संघर्ष करते रहेंगे। उन्होंने बिहार में मंत्रिमंडल गठन में हो रही देरी की भी आलोचना की और सरकार की स्थिरता और विकास पर इसके प्रभाव पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर 7 महीनों में सरकार नहीं बनी, तो क्या बिहार को फायदा होगा? मंत्रिमंडल अभी तक नहीं बना है और इन 6 महीनों में हमने दो मुख्यमंत्री देख लिए हैं। स्थिरता के बिना विकास नहीं हो सकता। पश्चिम बंगाल भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य सहित वरिष्ठ नेताओं ने बुधवार को घोषणा की कि विधायक दल की बैठक 8 मई को शाम 4 बजे होगी, जिसमें विधायक दल के नेता का चुनाव किया जाएगा। इसके बाद 9 मई को सुबह 10 बजे शपथ ग्रहण समारोह होगा। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। पार्टी की महत्वपूर्ण जीत के बाद चल रही चुनावी गतिविधियों के तहत अमित शाह के गुरुवार शाम को पश्चिम बंगाल का दौरा करने की भी उम्मीद है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पश्चिम बंगाल की 294 सीटों में से 206 सीटें जीतकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जो 2021 के चुनावों में उसकी 77 सीटों की जीत से कहीं अधिक है।

पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम पर घमासान

ममता बोलीं- पूरे जोश साथ वापसी करूंगी

» विपक्ष ने बताया लोकतंत्र का अपमान

» भाजपा की रणनीति पड़ी टीएमसी पर भारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में 26 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने ममता बनर्जी की टीएमसी को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की, जिससे राज्य की राजनीतिक दिशा बदल गई है। पर परिणामों को लेकर सियासी घमासान भी मच गया है। जहां टीएमसी ने इन परिणामों को लूट बताया है तो शिवसेना यूबीटी, सपा समेत पूरे विपक्ष ने इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया है। वहीं टीएमसी अध्यक्ष ने कहा कि वह फिर वापसी करेंगी। इसमें कोई दो राय नहीं कि कुछ तो गड़बड़िया होंगी ही तभी कई लोग इस पर सवाल उठा रहे हैं।

हालांकि इन परिणामों के खिलाफ टीएमसी कानूनी प्रक्रिया करने की बात कर रही है अगर वह इसको न्यायालय की चौखट पर ले जाती है तो जरूर कुछ न कुछ आएगा। खैर ये तो आगे की बात है पर इसमें कोई शक नहीं विपक्ष ने भाजपा की रणनीति को आंकने में भूल करी। भाजपा का जहां हिंदुत्व व ध्रुवीकरण चुनाव जीतने के हथियार है वहीं उस बूथ लेबल से लेकर टीएमसी की हर बात की काट की उसकी जीत की इबारत लिखने में सहायक रही। खेला होबे, पिछले पांच वर्षों से ममता बनर्जी अपने विरोधियों को अपने प्रतिद्वंद्वियों पर कटाक्ष करने के लिए इसी नारे अपनी सबसे बड़ी ताकत मानती थीं, लेकिन 26 के चुनावी नतीजों ने दिशा और दशा दोनों बदल दी है। पिछली बार21 विधानसभा चनव में महज 77 सीटों पर सिमट जाने वाली पार्टी ने 26 में 2०6 सीट जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रही है। बंगाल में बीजेपी की यह जीत सिर्फ चुनावी आंकड़ा नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीतिक यात्रा का वह तीसरा सबसे बड़ा मोड़ है, जिसकी शुरुआत 1977 के वामपंथी शासन और 11 के ममता बनर्जी के उदय से हुई थी। पिछली बार 21 विधानसभा चुनाव के दौरान एक रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ममता बनर्जी पर किया गया दीदी... ओ... दीदी! वाला कटाक्ष मजाक के तौर पर किया गया था। जिस पर ममता बनर्जी ने कटाक्ष करते हुए महिलाओं का अपमान बताया था। बंगाल के चुनाव में महिला वोटरों की भूमिका निर्णायक होती है, ऐसे में इस दौरान टीएमसी ने दीदी... ओ... दीदी! को प्रचार को महिलाओं का कलंक बताते हुए प्रचार किया। आलम यह हुआ कि बीजेपी जोरदार प्रचार के बावजूद भी सरकार बनाने में कामयाब नहीं हो पाई। 2026 में यह बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा। बीजेपी ने अपने चुनाव प्रचार में व्यक्तिगत टकरावों से हटकर पार्टी नेताओं द्वारा प्रणालीगत मुद्दों के रूप में वर्णित मुद्दों, शासन, भ्रष्टाचार, कार्य निष्पादन और कानून व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित किया। इससे भाजपा को अपने मुख्य मतदाओं के साथ-साथ महिलाओं और अन्य मतदाताओं को भी अपने पक्ष में करने में कामयाब हुई।

एंटी इनकैंबेंसी का उठाया लाभ

चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने टीएमसी के 15 वर्षों के शासन के खिलाफ एक व्यापक आरोपपत्र जारी किया, जिसमें शिक्षक भर्ती घोटाले पर विशेष ध्यान दिया गया, जहां अदालत के आदेश पर 25000 नियुक्तियों को रद्द करना व्यवस्थागत भ्रष्टाचार का प्रतीक बन गया। चुनाव प्रचार के दौरान बीजेपी माफिया शासन और पारदर्शी प्रशासन के बीच चुनाव के रूप में प्रस्तुत करके, मध्यवर्गीय वर्ग और युवाओं को यह समझाने में सफल रही कि राज्य की आर्थिक गिरावट टीएमसी के शासन मॉडल का सीधा परिणाम है।भाजपा लगातार कानून व्यवस्था के मुद्दे को उठाती रही। बीजेपी ने चुनाव को भय (डर) और निरापात (सुरक्षा) के बीच चुनाव के रूप में पेश किया। आरजी कर मामले जैसी घटनाओं का बार-बार हवाला देकर राज्य द्वारा अपराध और जवाबदेही से निपटने के तरीके पर सवाल उठाए गए।

मछली वाले नैरेटिव को बदला

चुनाव प्रचार के दौरान ममता बनर्जी ने सांस्कृतिक भय पैदा करने की कोशिश करते हुए वोटरों को चेतावनी दी कि अगर बीजेपी बंगाल में आएगी तो वे आपको मछली, मांस और अंडे खाने से रोक देगी, वे बंगाल को शाकाहारी राज्य बनाकर हमारे पहचान को मिटाना चाहते हैं। भाजपा ने तुरंत इसका जवाब देने के लिए दिखावटी रणनीति अपनाई। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर समेत कई नेता चुनाव प्रचार के दौरान सार्वजनिक रूप से मछली खाते नजर आए, जिससे यह आरोप चर्चा का विषय बन गया। भाजपा नेताओं ने कहा, दीदी कहती हैं कि हम मछली पर प्रतिबंध लगा देंगे? मैं अभी खा रहा हूं!

महिलाओं में बनाई पैठ

बंगाल में ममता बनर्जी की लक्ष्मी भंडार योजना को एक अभेद्य राजनीतिक कवच माना जाता था, जिसके तहत 24 करोड़ से अधिक महिलाओं को 1,000 रुपये से 1,2000 रुपये तक की सहायता राशि प्रदान की जाती थी। लेकिन बीजेपी ने न केवल इस योजना को चुनौती दी, बल्कि प्रभावी रूप से दांव को दोगुना कर दिया। भाजपा ने मातृ शक्ति वंदन योजना बंगाल में प्रत्येक महिला को प्रति माह 3000 रुपये देने का वादा किया। टीएमसी ने भाजपा बोहिरागोटो (बाहरी) के रूप में पेश करने की कोशिश की, लेकिन भाजपा ने स्पष्ट रूप से स्थानीयकरण पर जोर देकर जवाब दिया है। बीजेपी ने केंद्रीय नेताओं पर अत्यधिक निर्भरता के बजाय, पार्टी ने सुवेंदु अधिकारी जैसे बंगाली चेहरों को प्रमुखता दी। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने रैलियों बंगाली भाषा, संस्कृति और स्थानीय मुद्दे पर बात कर टीएमसी के बाहरी कहने वाले आरोपों को दरकिनार कर दिया।

सुवेंदु ने टीएमसी की प्रतिक्रिया का उड़ाया मजाक

जब चुनाव आयोग ने बड़े पैमाने पर मतदाता सूची में संशोधन के चलते लगभग 90 लाख नाम हटा दिए गए, तो ममता बनर्जी और अन्य टीएमसी नेताओं ने तीखा हमला करते हुए इसे लोकतंत्र की हत्या और चुपके से लागू किया गया एनआरसी करार दिया। हालांकि, भाजपा अपने रुख पर अड़ी रही। सुवेंदु अधिकारी और अमित शाह जैसे नेताओं ने इस प्रक्रिया को फर्जी मतदाताओं की सफाई और धांधली वाली व्यवस्था में एक आवश्यक सुधार के रूप में पेश किया। सुवेंदु ने टीएमसी की प्रतिक्रिया का मजाक उड़ाते हुए कहा, पिशिमा इसलिए रो रही हैं क्योंकि उनकी फर्जी मतदाता फैक्ट्री को सील कर दिया गया है। चुनाव प्रचार के दौरान बंगाल में घुसपैठ का मुद्दा गरमाता रहा। भाजपा ने सीमावर्ती जिलों में अवैध प्रवासन के खतरे को बार-बार उजागर किया। उन्होंने सफलतापूर्वक टीएमसी को वोट बैंक की राजनीति में शामिल घुसपैठियों का संरक्षक बताया। अपनी 15 दिवसीय प्रवास के दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने वादा किया, भाजपा के सत्ता में आने के बाद, एक पक्षी भी अवैध रूप से सीमा पार नहीं कर पाएगा। हम एक ऐसा सुरक्षा तंत्र बनाएंगे जो बंगाल को नागरिकों के लिए किला बना देगा, न कि घुसपैठियों का अड्डा।

स्थानीय नेताओं पर फोकस

इस बार चुनाव प्रचार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य में लंबा समय बिताया और यहां तक कहा कि वे चुनाव प्रचार की निगरानी के लिए जितने समय की आवश्यकता होगी, बंगाल में रहेंगे। पिछले चुनावों के विपरीत, इस बार राष्ट्रीय नेताओं के समर्थन से राज्य के प्रमुख चेहरों पर ध्यान केंद्रित किया गया। खासकर सुवेंदु अधिकारी जो कभी ममता बनर्जी के खास हुआ करते थे, जमीनी स्तर पर पार्टी के प्रमुख रणनीतिकार के रूप में उभरे। गृहमंत्री, प्रधानमंत्री के अलावा भाजपा शासित राज्यों के केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने सैकड़ों रैलियों और रोड शो के माध्यम से पूरे बंगाल में प्रचार किया और अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

2021 की हार के बाद ली सबक

बंगाल में 21 की हार से भाजपा को जो सबसे बड़ा सबक मिला, वह यह था कि विभाजित घर नहीं टिक सकता। क्योंकि- 26 में बीजेपी ने अपने आंतरिक पुराने नेता बनाम नए नेत के मतभेद को सुलझाते हुए एक मजबूत संयुक्त मोर्चा बनाया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष को उनके पुराने गढ़ खड़गपुर सदर से मैदान में उतारकर भाजपा ने यह संकेत दिया कि जमीनी स्तर के कार्यकर्ता फिर से कमान संभाल रहे हैं। दिलीप घोष को मुख्य नेतृत्व में वापस लाकर, भाजपा ने यह सुनिश्चित किया कि टीएमसी के दलबदलुओं के आने से मूल कार्यकर्ता अलग-थलग महसूस न करें।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पलायन को रोकने की सिर्फ बातें

सरकारें गांवों में रोजगार के लिए कई योजनाएं लाती रहती हैं। जिनका मकसद होता है गांवों से शहरों की ओर पलायन रूके। कांग्रेस की सरकार के समय इसी को देखते हुए मनरेगा शुरू किया गया था। जिसे वर्तमान सरकार ने नामबदल कर बीवीजी-रामजी रख दिया है। इसके अलावा अन्य कई योजनाएं भी चालू की गई हैं। पर इनसबके बाद भी जो आंकड़े सामने आते हैं कि पिछले सालों में पलायन रूका नहीं है बल्कि बढ़ा ही है। सरकारों को फिर से अपनी नीतियों की समीक्षा करके कुछ और ठोस व्यवस्था करनी पड़ेगी ताकि ग्रामीण अपने जिले में काम मिल और वह शहरों की ओर न भागे। घर परिवार चलाने के लिए आजीविका की तलाश सब करते हैं। लेकिन आजीविका की इस तलाश में अपनी माटी से ही नाता टूटने लगे तो चिंता होना स्वाभाविक है। कई प्रदेशों में स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध होने का संकट इतना भयावह है कि गांव के गांव खाली होते दिख रहे हैं। बड़ी संख्या में परिवार यहां से गुजरात और महाराष्ट्र या अन्य विकसीत की ओर पलायन करने को मजबूर हो जाते हैं।

यह तो तब है कि सरकार ने रोजगार गारंटी को लेकर नियम-कायदे तक बरसों से बना रखे हैं। इन नियमों का फायदा पूरी तरह मिलता दिखे तो भला लोग दूसरे प्रदेशों का रुख क्यों करें? मनरेगा जैसे कानून गांवों को आत्मनिर्भर बनाने और पलायन रोकने के लिए ही बनाए गए थे। आदिवासी इलाकों में होली व दिवाली अब सिर्फ त्योहार नहीं रहे, पलायन के कैलेंडर बन चुके हैं। सवाल है कि जब %काम का अधिकार कानून में दर्ज है, तो फिर मजबूरी क्यों?सरकार ने हाल में विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण (बीवी-जी राम जी) के तहत काम के दिन 100 से बढ़ाकर 125 करने का ऐलान किया। समस्या योजना की मंशा में नहीं, उसके क्रियान्वयन की आत्मा में है। मांग आधारित रोजगार के सिद्धांत को अब बजट आधारित प्रबंधन ने निगल लिया है। होना तो यह चाहिए कि काम तब मिले जब मजदूर मांग करे, लेकिन अब काम तभी मिलता है जब बजट अनुमति दे। उदाहरण में यही कारण है कि बांसवाड़ा जैसे जिलों में तीन महीनों में ही मानव दिवस 76 प्रतिशत तक गिर गए। पिछले पांच वर्षों में बजट घटा, श्रमिकों की संख्या 46.5 प्रतिशत घटी और औसत मानव दिवस भी लगातार नीचे आया। यह संकट सिर्फ आर्थिक ही नहीं, सामाजिक भी है। पलायन से गांवों का सामाजिक ढांचा टूटता है। बच्चों की पढ़ाई छूटती है, महिलाओं की सुरक्षा प्रभावित होती है और बुजुर्ग अकेले रह जाते हैं। क्या यही विकसित भारत की तस्वीर है? रोजगार की गारंटी देने वाली किसी भी योजना को पूरी तरह से मांग आधारित बनाना होगा।

“ सरकारों को फिर से अपनी नीतियों की समीक्षा करके कुछ और ठोस व्यवस्था करनी पड़ेगी ताकि ग्रामीण अपने जिले में काम मिल और वह शहरों की ओर न भागे। घर परिवार चलाने के लिए आजीविका की तलाश सब करते हैं। लेकिन आजीविका की इस तलाश में अपनी माटी से ही नाता टूटने लगे तो चिंता होना स्वाभाविक है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एक दौर का चुनाव और अनेक निष्कर्ष

दिनेश भारद्वाज

हालिया विधानसभा चुनावों ने राजनेताओं को एक बार फिर यह याद दिलाया है कि यहां कोई भी किला स्थायी नहीं होता। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी का प्रचंड बहुमत और तृणमूल कांग्रेस की पराजय ने उस धारणा को तोड़ दिया है कि मजबूत क्षेत्रीय नेतृत्व अजेय होता है। ममता बनर्जी की राजनीतिक पकड़ के बावजूद सत्ता परिवर्तन यह बताता है कि मतदाता अब नेतृत्व की छवि से आगे बढ़कर ठोस परिणामों का मूल्यांकन कर रहा है। दक्षिण में तमिलनाडु का परिणाम शायद सबसे दिलचस्प है, जहां अभिनेता विजय की पार्टी का सिंगल लार्जेस्ट बनना केवल सत्ता परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि राजनीतिक रिक्तता में नए विकल्प की मांग का प्रमाण है। यह उस बदलाव की ओर इशारा करता है, जहां पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के बीच मतदाता नए नेतृत्व को परखने के लिए तैयार है।

केरल में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार बनने की स्थिति यह दिखाती है कि वैचारिक रूप से सजग माने जाने वाले राज्य भी सत्ता परिवर्तन के लिए तैयार रहते हैं, यदि मतदाता को विकल्प विश्वसनीय लगता है। इसके विपरीत असम में भाजपा की लगातार तीसरी जीत यह साबित करती है कि जहां शासन मॉडल स्वीकार्य है, वहां एंटी-इंकम्बेंसी भी समाप्त हो जाती है। पुदुचेरी में भाजपा गठबंधन की दूसरी बार सरकार इसी निरंतरता का एक और उदाहरण है। इन पांच राज्यों के नतीजों से साफ है कि भारत में अब कोई एक राजनीतिक ट्रेंड नहीं, बल्कि कई समानांतर ट्रेंड चल रहे हैं। इन नतीजों को यदि विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखें, तो तीन बड़े ट्रेंड सामने आते हैं। पहला है चयनात्मक एंटी-इंकम्बेंसी। यानी हर राज्य में सत्ता विरोधी लहर नहीं है। जहां सरकार का प्रदर्शन संतोषजनक है, वहां मतदाता उसे दोहराने में संकोच नहीं करता। दूसरा है क्षेत्रीय दलों को चुनौती। यहां बंगाल का परिणाम बताता है कि मजबूत क्षेत्रीय दल भी चुनौती से परे नहीं हैं। और तीसरा है नए विकल्पों की स्वीकार्यता। तमिलनाडु में 'सिने स्टार' से 'सियासी स्टार' बने विजय का उभार यह दर्शाता है कि मतदाता नए चेहरों को मौका देने के लिए तैयार है।

इन चुनावों का सबसे बड़ा निष्कर्ष यह है कि भारतीय राजनीति अब एकल नैरेटिव से संचालित नहीं होती। बंगाल में सत्ता परिवर्तन, तमिलनाडु में नए विकल्प का उभार, केरल में वामपंथियों की शिकस्त और कांग्रेस की वापसी तथा असम व पुदुचेरी में स्थिरता- यह

विविधता इस बात का संकेत है कि मतदाता अब अधिक सूक्ष्म स्तर पर निर्णय ले रहा है। वह राष्ट्रीय मुद्दों से प्रभावित जरूर होता है, लेकिन अंतिम फैसला स्थानीय अनुभव और नेतृत्व की विश्वसनीयता के आधार पर करता है। इन संकेतों की असली परीक्षा 2027 में होगी, जब उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, हिमाचल प्रदेश और गुजरात में विधानसभा चुनाव होंगे। समय-सीमा के अनुसार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में चुनाव अगले वर्ष की पहली तिमाही में संभावित हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश और गुजरात में वर्ष के अंत में मतदान हो सकता है। लेकिन यह केवल चुनावी कैलेंडर नहीं है। यह उन राजनीतिक प्रवृत्तियों की परीक्षा है, जो अभी उभरकर सामने आई हैं। उत्तर प्रदेश का चुनाव इन सभी ट्रेंड्स का सबसे बड़ा परीक्षण होगा। यहां का जनादेश केवल राज्य की राजनीति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दिशा भी तय करता है। सामाजिक समीकरण, कल्याणकारी योजनाएं, कानून-व्यवस्था और विकास जैसे कारक मिलकर यहां चुनावी परिणाम तय करते हैं। बंगाल का उदाहरण दिखाता है कि सत्ता परिवर्तन संभव है, जबकि असम का उदाहरण बताता है कि निरंतरता भी संभव है। उत्तर प्रदेश इन दोनों के बीच संतुलन का मैदान होगा। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में सत्ता परिवर्तन की परंपरा रही है। लेकिन अब सवाल यह है कि क्या यह परंपरा जारी रहेगी या मतदाता प्रदर्शन के आधार पर स्थिरता को प्राथमिकता देगा। गुजरात लंबे समय से एक राजनीतिक स्थिरता का उदाहरण रहा है। लेकिन बंगाल के नतीजों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी राजनीतिक गढ़ पूरी तरह सुरक्षित नहीं है।

यदि विपक्ष संगठित होता है और स्थानीय मुद्दे उभरते हैं, तो यहां भी मुकाबला रोचक हो सकता है। पंजाब में राजनीति हमेशा परिवर्तनशील रही है। यहां 2027 का चुनाव इस सवाल का जवाब देगा कि क्या मतदाता बार-बार बदलाव चाहता है या अब स्थिर शासन की तलाश में है। केरल के नतीजों ने यह संकेत दिया है कि यदि विकल्प विश्वसनीय हो, तो मतदाता बदलाव से पीछे नहीं हटता। गोवा और मणिपुर जैसे राज्यों में चुनावी परिणाम अक्सर गठबंधन और स्थानीय नेतृत्व पर निर्भर करते हैं। पुदुचेरी के नतीजों ने यह दिखाया है कि छोटे राज्यों में भी निरंतरता संभव है।

गोल्फ में भी हरफनमौला बन गए कपिल देव

प्रदीप पत्रिका

उन्माद से भरी भीड़ और इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट के बहरा कर देने वाले कर्कश शोर से दूर, एक गोल्फ कोर्स की अपनी एक अलग ही लय होती है। शांत, ठहरी हुई ऐसी सुरम्य जगह, जो आत्म-मंथन करने को भी मुफीद है। यह ध्यान एकाग्रता की वह जगह है, जो शारीरिक कौशल और सधे मन की परीक्षा लेती है। यहां का ऊंचा-नीचा इलाका, तालाब, पेड़, सपाट मैदान और रेशमी हरी दूब न सिर्फ देखने में सुंदर होती है बल्कि ये खेल और खुद पर महारत हासिल करने में भी मददगार हैं। कोई हैरानी नहीं कि कपिल देव को क्रिकेट जगत से संन्यास लेने के बाद-यही वह दुनिया है जिसने उन्हें अपने सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक का ताज पहनाया-गोल्फ में कहीं ज्यादा सौम्य स्वागत करने वाला सान्निध्य मिला।

कपिल ने 15 सालों तक क्रिकेट के मैदान को अपने कौशल, ऊर्जा और जुनून से रोशन किए रखा, जो भारत के खेल इतिहास में अविस्मरणीय था। उन्होंने अपनी हरफनमौला प्रतिभा का प्रदर्शन जोशीले और चाहने वाले प्रशंसकों के सामने किया। शोरभरी तारीफों के माहौल में वे सार्वजनिक जगहों पर शांत एवं निजी लम्हों के अहसास को तरस चुके थे। वर्ष 1994 में जब उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा तो वे शांति की तलाश में थे, एक ऐसी जगह जहां सुकून हो और भीड़ के घेराव से मुक्त । 67 साल की उम्र में शायद कपिल में अपने जवानी जैसा जोश और फुर्ती भले ही न हो, लेकिन काम और गोल्फ के प्रति उनका पुराना जुनून और ऊर्जा रत्तीभर भी कम नहीं हुई है। सिर पर बीचों-बीच बंटे सफेद-काले बालों का स्टाइल उनकी करिश्माई शख्सियत को और गरिमापूर्ण अंदाज देता है। समय की रवानगी उनके चेहरे पर बन गई सिलवटों और नपे-तुले, नरम किंतु दृढ़ता से बोले गए उनके शब्दों में साफ झलकती है, उम्र के साथ परिपक्व हुआ एक व्यक्तित्व। विरोधाभास यह कि खेल के परंपरागत तरीकों में न बंधने वाले वाले इस जुझारू और आक्रामक क्रिकेटर की परवरिश एक ऐसे शहर में हुई, जिसकी परिकल्पना, डिजाइन और निर्माण ज्यामितीय सटीकता से बंधी हुई है।

चंडीगढ़, आजाद भारत का एक ऐसा शहर जिसकी पहचान सीधी रेखाओं और कड़ाई से पालना किए जाने वाले डिजाइन से है-एक ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को संवार रहा था, जिसने क्रिकेट की कोचिंग पुस्तकों में दिए पारंपरिक नियमों की जरा भी परवाह नहीं की। तब भी उन्होंने अपना एक अनोखा रास्ता खुद ही बनाया था, और आज भी वह वैसा ही कर रहे हैं। अपने विशाल दो-मंजिला दफ्तर के एक कक्ष में बैठे हुए जो गोल्फ की भाषा में दिल्ली के मशहूर इंडिया गेट से महज एक 'टी-शॉट' (लगभग 300 मीटर) की दूरी पर है-कपिल अपनी उस अग्रगामी सोच पर कायम हैं, जो परी-कथा जैसे उनके शानदार सफर को लगातार आगे बढ़ाने में मार्गदर्शक रही। 'इस कमरे में चारों ओर देखिए, आपको क्रिकेट से जुड़ी एक भी तस्वीर या यादगार चीज नहीं मिलेगी'।

क्रिकेट अब उनकी जिंदगी में महज एक छोटा-सा बिंदु बनकर रह गया है; ग्रेटर नोएडा स्थित 300 बिस्तरों वाले सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल का गौरवशाली मालिक होने के अलावा और गोल्फ आज उनकी पूंजी है, उनका अधिकांश समय इनमें व्यतीत होता है। उन्हीं के शब्दों में—'मैं ऐसा ही हूं। चाहे यह कंचे खेलना रहा हो, पतंगबाजी या क्रिकेट, एक बार जब मैं किसी चीज से दूर हो जाता हूं, तो मैं फिर से उसकी ओर लौटना पसंद नहीं करता।' भारत का प्रतिनिधित्व करते समय, उन्होंने कभी गोल्फ खेलने के बारे में सोचा तक नहीं था यहां तक कि तब भी नहीं, जब वे दिल्ली के एक गोल्फ कोर्स में महान गैरी सोबर्स के साथ गए थे। संन्यास के बाद, एक दोस्त ने उन्हें सुझाया कि प्रशंसकों की दखल देती नजरों से दूर रहने के लिए गोल्फ कोर्स सबसे मुफीद रहेगा। पर पहले ही दिन, दिल्ली गोल्फ क्लब के पहले ही होल पर ही, सैकड़ों लोग आन जुटे। उनसे कहा गया कि वे फिक्र न करें। जैसे-जैसे वे आगे बढ़े, किसी ने पीछा नहीं किया, किसी ने उन्हें घेरा नहीं। उन्हें अपनी जिंदगी का अगला मुकाम मिल गया था। एक साल के भीतर ही, उनका 'हैंडिकैप' आठ हो गया था-क्रिकेट की भाषा में इसका मतलब यह होगा कि रणजी ट्रॉफी खेलने लायक महारत पा लेना। उन्हें इस खेल से प्यार हो गया था। ध्यान लगाने जैसे वातावरण में, गोल्फ मानो समय को आत्मसात कर लेता है, उसे थाम लेता है। यह जीवनपर्यंत जारी रहने वाली लत बन सकता है, खेल जीवन का ही एक रूपक बन जाता है-चंचल, नाजुक, फिर भी संतुष्टि के ऐसे पलों से परिपूर्ण, जो आपको इससे जोड़े रखते हैं।

तीन साल के अंदर ही, उनका हैंडिकैप घटकर दो पर आ गया था; इसका मतलब था कि उनकी योग्यता एक पेशेवर गोल्फर बनने के लिए काफी है। क्रिकेट की भाषा में कहें तो, भारत की राष्ट्रीय टीम में होने या आईपीएल का एक स्टार खिलाड़ी बनने जितना खेल कौशल पा लेना। एक ऐसे इंसान के लिए जिसने गोल्फ को उम्र के बाद वाले पड़ाव में खेलना शुरू किया हो, यह एक अविश्वसनीय उपलब्धि थी। उन्होंने एक बार फिर से साबित किया कि प्रतिभा किसी भी सीमा में नहीं बंधती। एक ऐसी दुनिया में जहां खेल का प्रदर्शन शारीरिक रूप से श्रम साध्य और तैयारी मन को साधने से बनता है, कपिल ने अपनी गोल्फ स्विंग्स के साथ लगभग पवित्र रिश्ता बना लिया है। उन्होंने पाया कि क्रिकेट के विपरीत जो कि एक टीम नीत खेल है—गोल्फ असल में खुद से ही लड़ी जाने वाली एकल लड़ाई है।

तरबूज का रस

तरबूज में पानी की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे त्वचा को हाइड्रेशन और ठंडक मिलती है। तरबूज का रस चेहरे पर लगाने से स्किन फ्रेश महसूस होती है।

गुलाब जल

गर्मियों में चेहरे पर इसको लगाने से स्किन की कई समस्याएं दूर होती है और स्किन भी हेल्दी होती है। गुलाब जल त्वचा के लिए एक प्राकृतिक कूलिंग टोनर की तरह काम करता है। इसे स्प्रे बोतल में भरकर दिन में 2-3 बार चेहरे पर लगा सकते हैं।

खीरे का रस

खीरा त्वचा को ठंडक देने के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। त्वचा को ठंडक देने के लिए खीरे का रस निकाल लें। इसे कॉटन से चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट बाद धो लें। इससे स्किन को तुरंत ठंडक मिलती है।

दही फेस पैक

गर्मी में दही का उपयोग करें। दही त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ टैनिंग कम करने में भी मदद करता है। इसके उपयोग के लिए एक चम्मच दही लें। उसमें थोड़ा शहद मिलाएं और 10 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। इसके अलावा पर्याप्त पानी पीएं। इससे शरीर और स्किन हाइड्रेट रहती है। ये चेहरे पर दाग-धब्बे, डेड स्किन और मुहांसे आदि को दूर करने में भी बहुत उपयोगी होता है। स्किन की ड्राईनेस को ठीक करने और रंगत सुधारने के लिए भी इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

आइस क्यूब मसाज

आइस क्यूब से हल्की मसाज करने से त्वचा को तुरंत ठंडक मिलती है। लेकिन इसे सीधे स्किन पर लगाने की बजाय कपड़े में लपेटकर इस्तेमाल करना बेहतर होता है।

चेहरे को गर्मियों में ठंडक देंगे ये 7 घरेलू नुस्खे

एलोवेरा जेल

त्वचा के लिए एलोवेरा जेल का उपयोग बहुत ही सरल है और इसे विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है। इसे सीधे त्वचा पर लगाया जा सकता है, जिससे त्वचा को तुरंत शीतलता और राहत मिलती है, या इसे अन्य स्किनकेयर प्रोडक्ट्स के साथ मिलाकर दैनिक देखभाल रूटीन में शामिल किया जा सकता है। यह त्वचा की नमी को बनाए रखता है और सूर्य की किरणों से हुई क्षति को ठीक करने में मदद करता है। एलोवेरा जेल का नियमित उपयोग त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाने में योगदान देता है। इसे लगाने के लिए ताजा एलोवेरा जेल निकालें। चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें। फिर 15 मिनट बाद धो लें। एलोवेरा जेल में पानी का प्रतिशत लगभग 99 प्रतिशत होता है, जो इसे त्वचा को गहराई से मॉइस्चराइज़ करने की क्षमता प्रदान करता है। इसके अलावा, यह जेल विटामिन ए, सी, और ई के साथ-साथ एंटीऑक्सिडेंट्स से भी समृद्ध होती है, जो त्वचा को आवश्यक पोषण प्रदान करते हैं और इसके स्वास्थ्य को बढ़ाते हैं।

गर्मियों के मौसम में तेज धूप और गर्म हवा का असर हमारी त्वचा पर भी पड़ता है। इस वजह से कई लोगों को त्वचा में जलन, टैनिंग और रूखापन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आप कुछ आसान घरेलू नुस्खे अपनाएं तो आपकी त्वचा को ठंडक मिल सकती है और वह फ्रेश व ग्लोइंग बनी रह सकती है। गर्मियों में त्वचा की देखभाल करना बेहद जरूरी होता है। अगर आप नियमित रूप से इन आसान घरेलू नुस्खों को अपनाते हैं तो आपकी त्वचा को ठंडक मिलेगी और वह फ्रेश व ग्लोइंग बनी रह सकती है।

चंदन पाउडर

चंदन का इस्तेमाल सदियों से त्वचा को ठंडक देने के लिए किया जाता है। चंदन पाउडर में गुलाब जल मिलाएं और इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं। इसके अलावा मॉश्चराइजर और सनस्क्रीन का उपयोग जरूर करें। यह त्वचा को यूवी किरणों से बचाती है। इसके अलावा चंदन का लेप चेहरे के कील मुहांसों या एक्ने की समस्या को दूर करने में भी कारगर होता है। इतना ही नहीं एक्ने के कारण चेहरे पर होने वाली सूजन पर भी चंदन का लेप प्रभावकारी है। इसके लिए आप चंदन के लेप में चुटकी भर हल्दी मिलाएं।

हंसना मना है

मेरी बात गौर से सुनना, अगर कोई आपको पागल कहे तो दुखी मत होना, अफसोस भी मत करना और रोना भी मत, बस आराम से चेयर पर बैठ कर सोचना की। इसको पता कैसे चला।

साइकिल चलाकर पैर दुखे तो बाईक ली, बाईक चलाकर पीठ दुखी तो कार लाये, कार चलाकर पेट निकला तो जिम ज्वाइन किया और जिम में वापस साइकिल, इसे कहते है रिसायक्लिंग।

पत्नी- आप मुझे रानी क्यों बोलते हो? पति - क्योंकि नौकरानी थोडा लम्बा शब्द हो जाता है।। पत्नी गुस्से से- तुम्हें पता है कि मैं तुम्हें जान क्यों बोलती हूं? पति- नहीं। बताओ तो जरा। पत्नी-जानवर थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है इसलिए सिर्फ जान बोल देती हूं।

5 साल का बच्चा- आई लव यू मां, मां- आई लव यू टू बेटा! 16 साल का लड़का-आई लव यू मॉम, मां- सॉरी बेटा, पैसे नही है! 25 साल का लड़का- आई लव यू मां, मां- कौन है वो चुड़ैल? कहां रहती है? 35 साल का आदमी- आई लव यू मां, मां- बेटा मैंने पहले ही बोला था, उस लड़की से शादी मत करना! और सबसे बढ़िया। 55 साल का आदमी- आई लव यू मां, मां- बेटा, मैं किसी भी कागज पर साइन नहीं करूंगी !

कहानी — एक छोटी सी अच्छी आदत

एक नगर में दो दोस्त रहते थे। बचपन में दोनों साथ पढ़ते और खेलते थे। पढ़ाई पूरी होने के बाद दोनों दोस्त अपने अपने जीवन में व्यस्त हो गए। एक दोस्त ने खूब मेहनत की और बहुत पैसा कमा लिया। जबकि दूसरा दोस्त बहुत आलसी था। वह कुछ भी काम नहीं करता था। उसका जीवन ऐसे ही गरीबी में कट रहा था। एक दिन अमीर व्यक्ति दोस्त से मिलने गया। अमीर व्यक्ति ने देखा की उसके दोस्त की हालत बहुत खराब है, उसका घर भी बहुत गंदा था। गरीब दोस्त ने बैठने के लिए जो कुर्सी दी, उस पर धूल थी। अमीर व्यक्ति ने कहा कि तुम अपना घर इतना गंदा क्यों रखते हो? गरीब ने जवाब दिया कि घर साफ करने से कोई लाभ नहीं है, कुछ दिनों में ये फिर से गंदा हो जाता है। अमीर ने उसे बहुत समझाया कि घर को साफ रखना चाहिए, लेकिन वह नहीं माना। जाते समय अमीर व्यक्ति ने गरीब दोस्त को एक बहुत ही सुंदर गुलदस्ता उपहार में दिया। गरीब ने वह गुलदस्ता अलमारी के ऊपर रख दिया। इसके बाद जब भी कोई व्यक्ति उस गरीब के घर आता तो उसे सुंदर गुलदस्ता दिखता, वे कहते कि गुलदस्ता तो बहुत सुंदर है, लेकिन घर इतना गंदा है। बार-बार एक ही बात सुनकर गरीब ने सोचा कि ये अलमारी साफ कर देता हूं, उसने अलमारी साफ कर दी। अब उसके घर आने वाले लोगों ने कहा कि गुलदस्ता बहुत सुंदर, अलमारी भी साफ है, लेकिन पूरा घर गंदा है। फिर उसने दीवार साफ कर दी। अब जो भी लोग उसके घर आते वह साफ-सफाई वाली जगह पर बैठते। गरीब व्यक्ति ने एक दिन गुस्से में पूरा घर साफ कर दिया और दीवारों की पुताई भी करवा दी। धीरे-धीरे उसकी सोच बदलने लगी और उसने काम करना शुरू कर दिया।

सीख- हमारी एक छोटी-सी अच्छी आदत हमारी सोच बदल सकती है, जिससे हमारा जीवन बदल सकता है। ऐसे ही, भगवान एवं उनके मंदिर को प्रणाम करना प्रारम्भ करें। धीरे-धीरे अपनी रूचि को और अधिक बढ़ाइए, पूजा-पाठ शुरू कीजिये। प्रतिदिन ध्यान, जप एवं नाम जप की आदत बनाइये।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी।

वृषभ

व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। विवाद से बचें।

मिथुन

नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। लंबी यात्रा हो सकती है।

कर्क

व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

सिंह

राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें। नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

कन्या

व्यापार ठीक चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें।

तुला

राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है।

वृश्चिक

प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

धनु

बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है।

मकर

आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है।

कुम्भ

कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

मीन

नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। पुराने संगी-साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी।

फिल्म द रॉयल्स सीजन 2 में नए तरह का किरदार निभाएंगे ईशान

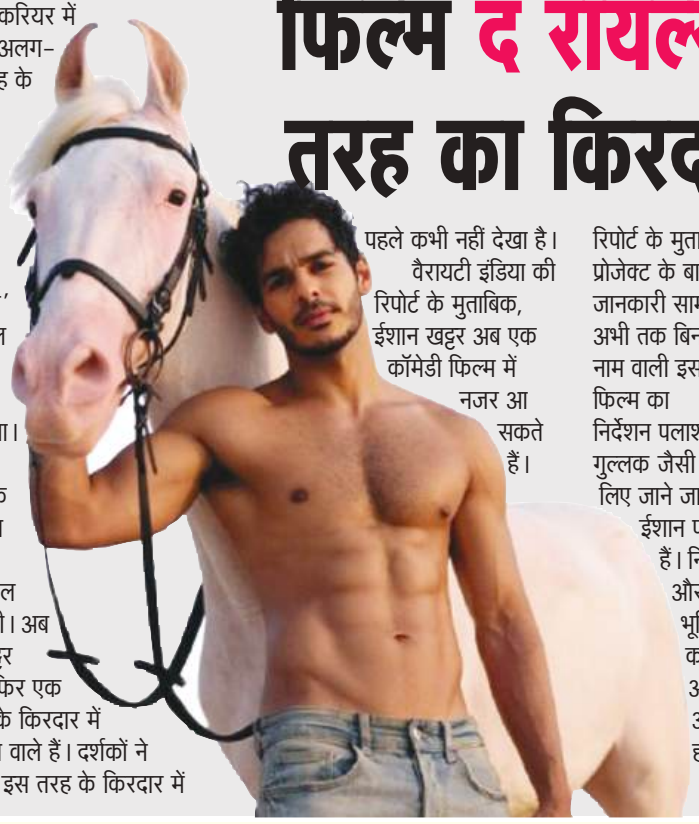

ईशान खट्टर ने अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। पिछले साल आई उनकी फिल्म 'होमबाउंड' को ग्लोबल स्तर पर काफी सराहा गया। फिल्म ऑस्कर के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री भी थी। अब ईशान खट्टर एक बार फिर एक नए तरह के किरदार में नजर आने वाले हैं। दर्शकों ने ईशान को इस तरह के किरदार में पहले कभी नहीं देखा है। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, ईशान खट्टर अब एक कॉमेडी फिल्म में नजर आ सकते हैं।

बॉलीवुड **मसाला**

रिपोर्ट के मुताबिक, उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन अभी तक बिना नाम वाली इस फिल्म का निर्देशन पलाश वासवानी करेंगे, जो गुल्लक जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में ईशान पहले ही मुख्य भूमिका में हैं। निर्माता अब फीमेल एक्ट्रेस और अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए कास्टिंग कर रहे हैं। खबरों के अनुसार, फिल्म की शूटिंग अगले कुछ महीनों में शुरू हो जाएगी।

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर को आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म 'होमबाउंड' में देखा गया था। नीरज घायवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं।

यह फिल्म उत्तर भारतीय शहर में दो बचपन के दोस्तों चंदन, एक दलित और शोएब एक मुस्लिम की कहानी है। दोनों पुलिस अधिकारी बनने का सपना देखते हैं। लेकिन परीक्षा परिणामों में देरी से सब कुछ बदल जाता है। ईशान अब द रॉयल्स सीजन 2 में नजर आएंगे। निर्माताओं ने इस साल की शुरुआत में सीरीज के दूसरे सीजन की घोषणा की थी।

जारी है भूत बंगला का भौकाल, बुधवार को भी छापे करारे नोट

प्रियदर्शन की हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला की रिलीज को आज 6 मई को पूरे 20 दिन हो चुके हैं। अक्षय कुमार की इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

भूत बंगला लगभग 120 करोड़ के बजट में बनी है। फिल्म भूत बंगला ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अपना बजट आसानी से निकाल लिया है। प्रियदर्शन निर्देशित फिल्म भूत बंगला दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही। ओपनिंग डे- 12.25 करोड़ रुपये, पहला हफ्ता- 84.40 करोड़ रुपये, दूसरा हफ्ता - 43.75 करोड़ रुपये,15वें दिन - 4.50 करोड़ रुपये, 16वें दिन - 4.35 करोड़ रुपये, 17वें दिन - 5.50 करोड़ रुपये, 18वें दिन - 1.75 करोड़ रुपये, 19वें दिन - 2.25 करोड़ रुपये,वहीं अब 20वें दिन का कलेक्शन भी सामने आ चुका है। हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला ने तीसरे बुधवार को 20वें दिन बॉक्स ऑफिस पर 1.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। प्रियदर्शन की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक कुल 147.75 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला ने दुनिया भर में 230 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म दर्शकों को पसंद आ रही है, इसलिए फिल्म के कलेक्शन में लगातार उछाल देखने को मिल रहा है। बहरहाल, फिल्म अब 200 करोड़ क्लब में शामिल हो चुकी है।

बॉलीवुड **मन की बात**

'राजा शिवाजी' इमोशनली लोगों से जुड़ रही है : रितेश देशमुख

रितेश देशमुख इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'राजा शिवाजी' को लेकर चर्चाओं में हैं। रितेश ने इस फिल्म का निर्देशन भी किया है और उन्होंने ही छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका भी निभाई है। फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया हासिल हुई है। वहीं क्रिटिक्स से भी फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। अब रितेश ने फिल्म के प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए आधुनिक दर्शकों के लिए इसके महत्व पर जोर दिया है। रितेश देशमुख ने कहा कि उन्हें खुशी है कि उनकी फिल्म बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से परे, इमोशनली दर्शकों से जुड़ सकी। अभिनेता ने कहा कि जब मैं लोगों को अपने परिवार के साथ, समूह बनाकर, अपने दादा-दादी को लेकर फिल्म देखने जाते देखता हूं, तो मुझे पता चलता है कि बहुत से लोग ऐसे हैं जिन्होंने पहले कभी फिल्म नहीं देखी। नए माता-पिता, एक साल का बच्चा और दो साल का बच्चा चाहते हैं कि उनके जीवन की पहली फिल्म राजा शिवाजी हो, खासकर छत्रपति शिवाजी महाराज पर बनी फिल्म। वे फिल्म देखने के लिए अंदर जाकर अपने वीडियो बना रहे हैं। अंदर जाने के बाद हर किसी को कुछ महसूस होता है। बाहर आने के बाद वे वीडियो बनाकर पोस्ट करते हैं और लोगों से इस फिल्म को देखने का आग्रह करते हैं। फिल्म रिलीज होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर दर्शकों और प्रशंसकों द्वारा सिनेमाघरों में जश्न मनाते हुए वीडियो और फिल्म पर अपनी राय साझा करने की बाढ़ आ गई है। रितेश ने इसे ऑर्गेनिक प्रमोशन बताया और कहा कि यही किसी फिल्म की सच्ची सफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यही वो पल है जब दर्शक किसी फिल्म को स्वीकार करते हैं। फिल्म निर्माताओं के लिए यह एहसास बहुत अच्छा होता है क्योंकि जब दर्शक किसी फिल्म को स्वीकार करते हैं, तो वे खुद ही उसका प्रचार करना शुरू कर देते हैं। हम जैसे फिल्मकारों के लिए इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।

ये है भारत का पहला स्कूल, आज भी कायम है 310 साल पुरानी विरासत

भारत में शिक्षा व्यवस्था का दायरा काफी पुराना है, जहां सरकारी से लेकर निजी संस्थानों तक लाखों स्कूल संचालित हो रहे हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि देश में आधुनिक शिक्षा की नींव रखने वाले शुरुआती स्कूलों में से एक कौन सा था। इतिहास के पन्नों में दर्ज एक महत्वपूर्ण नाम है St. George's Anglo-Indian Higher Secondary School, जिसे भारत के सबसे पुराने स्कूलों में गिना जाता है। इस संस्थान की स्थापना वर्ष 1715 में हुई थी, जब देश में औपचारिक शिक्षा की शुरुआत अपने शुरुआती दौर में थी। चेन्नई में स्थित यह विद्यालय उस समय विशेष रूप से अनाथ और जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। धीरे-धीरे यह संस्थान अपनी गुणवत्ता और अनुशासन के कारण एक प्रतिष्ठित स्कूल के रूप में पहचान बनाने लगा। आज यह स्कूल न केवल अपनी ऐतिहासिक विरासत के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां दी जाने वाली शिक्षा के स्तर के लिए भी सराहा जाता है। विद्यालय का संचालन चर्च ऑफ साउथ इंडिया के अधीन किया जाता है, जो इसे मजबूत नैतिक मूल्यों और अनुशासित वातावरण से जोड़ता है। यहां अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई होती है और छात्रों को विज्ञान, गणित, वाणिज्य और कला जैसे विषयों में व्यापक शिक्षा दी जाती है। पढ़ाई के साथ-साथ इस संस्थान में खेलकूद और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी और एथलेटिक्स जैसे खेलों के अलावा वाद-विवाद, संगीत और नाटक जैसी गतिविधियां छात्रों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाती हैं। यही वजह है कि यहां पढ़ने वाले विद्यार्थी न केवल अकादमिक क्षेत्र में, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी अपनी पहचान बना रहे हैं। वर्तमान में इस स्कूल में करीब 1500 छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। खास बात यह है कि इतनी पुरानी विरासत और उच्च गुणवत्ता के बावजूद यहां की फीस अन्य कई निजी स्कूलों की तुलना में अपेक्षाकृत कम मानी जाती है। यही कारण है कि यहां दाखिले के लिए हर साल बड़ी संख्या में छात्र आवेदन करते हैं। कुल मिलाकर, यह स्कूल सिर्फ एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि भारत में आधुनिक शिक्षा के विकास की एक मजबूत कड़ी है, जिसने सदियों से ज्ञान की रोशनी फैलाने का काम किया है।

अजब-गजब **ये है दुनिया का सबसे पुराना बैंक**

700 साल पहले किलों में बनाए जाते थे लॉकर, लकड़ी से बनाए जाते थे ताले!

आपने अपनी लाइफ में बैंक का चक्कर तो जरूर लगाया होगा। बैंक में पैसे जमा करना, लॉकर में सोने-चांदी रखने जैसा काम किया जाता है। लेकिन कभी सोचा है कि पहले के समय में लोग अपने पैसे कहां रखते थे? दुनिया के सबसे पुराने बैंक की कहानी सुनकर आप हैरान रह जाएंगे। जब आधुनिक बैंकिंग, एटीएम, वॉल्ट और डिजिटल लॉकर की कोई कल्पना भी नहीं थी, तब मोरक्को के अमेजीग (बरबर) लोगों ने 700 साल पहले एक ऐसा सिस्टम बना दिया था जो आज भी इंजीनियरिंग और ट्रस्ट का कमाल माना जाता है। ये हैं इगौदार, पत्थर, मिट्टी और लकड़ी से बने मजबूत सामुदायिक भंडारण किले थे, जिन्हें दुनिया का सबसे पुराना कम्युनिटी बैंकिंग सिस्टम कहा जाता है।

एंटी एटलस पहाड़ियों की खुरदुरी चट्टानों के बीच छिपे ये इगौदार (अगादिर भी कहे जाते हैं) करीब 12वीं से 15वीं शताब्दी के आसपास बनाए गए थे। अमेजीग जनजातियां इन्हें सिर्फ अनाज रखने के लिए नहीं, बल्कि सोना, चांदी, आभूषण, हथियार, कपड़े, तेल, खजूर और महत्वपूर्ण कानूनी दस्तावेजों की सुरक्षा के लिए इस्तेमाल करती थी। हर परिवार का अपना अलग लॉक चैंबर होता था, जिसका ताला लकड़ी से बना होता

था। ये ताले इतने सुरक्षित थे कि आज भी उनके सिद्धांत आधुनिक तालों से मिलते-जुलते हैं। इगौदार का प्रबंधन एक भरोसेमंद व्यक्ति करता था, जिसे 'कीपर' या 'एमिन' कहा जाता था। ये व्यक्ति बैंक मैनेजर की तरह काम करता था। परिवारों की चाबियां उसी के पास रहती थीं और बिना उसकी अनुमति के कोई चैंबर नहीं खोला जा सकता था। ये सिस्टम सिर्फ सुरक्षा नहीं, बल्कि पूरे समुदाय की आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था का केंद्र था। यहां मीटिंग होती थीं, व्यापार होता था और विवादों का निपटारा भी होता था।

इगौदारों में सबसे प्रसिद्ध और पुराना Agadir Imchguiguiln आज भी खड़ा है। यह लगभग 13वीं शताब्दी का माना जाता है। इसमें 130 से ज्यादा चैंबर हैं, एक मस्जिद, सेंट्रल स्क्वायर और मजबूत दीवारें हैं। युद्ध के समय यह किला पूरे गांव के लोगों और उनके सामान की रक्षा करता था। पहाड़ी की चोटी पर बने इन किलों की दीवारें इतनी मोटी और मजबूत होती थीं कि दुश्मन आसानी से तोड़ नहीं पाते थे। इंजीनियरिंग की दृष्टि से ये इगौदार कमाल के थे। मिट्टी, चट्टान और पाम ट्री की लकड़ी से बने ये भंडारण प्राकृतिक रूप से तापमान नियंत्रित रखते थे। गर्मी और नमी से अनाज खराब नहीं होता था। आज के समय में भी ये सस्टेनेबल आर्किटेक्चर का बेहतरीन उदाहरण हैं।

हर परिवार अपना सामान सुरक्षित रखने के लिए फीस या हिस्सा देता था। चोरी या लूट की स्थिति में पूरा समुदाय सुरक्षा में जुट जाता था। कानूनी दस्तावेज यहां रखे जाते थे, जो विवादों में सबूत का काम करते थे। कुछ इगौदार इतने बड़े थे कि पूरे गांव की जरूरतें पूरी कर लेते थे। ऐतिहासिक रूप से इगौदार अमेजीग संस्कृति की रीढ़ थे। यूरोप में आधुनिक बैंकिंग सिस्टम विकसित होने से सदियों पहले यहां ट्रस्ट आधारित सामुदायिक बैंकिंग फल-फूल रही थी। आज भी कुछ इगौदार इस्तेमाल में हैं या पर्यटकों के लिए संरक्षित हैं।

पंजाब में धमाके की गूंज से पूरे देश में सियासी घमासान

अनावश्यक दहशत फैला रहे भाजपाई : सौरभ भारद्वाज

» बोले- भाजपा का पूरा तंत्र इसे बड़े खतरे के रूप में पेश कर रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब में धमाकेकी गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है। और इसको लेकर सियासी घमासान मचा हुआ है। भाजपा व आप आमने-सामने आ गए हैं। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में हुए हालिया बम धमाकों को लेकर उनकी टाइमिंग और भाजपा की प्रतिक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि इन घटनाओं को राजनीतिक रूप से भुनाने की कोशिश की जा रही है और लोगों में अनावश्यक दहशत फैलाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि सीमावर्ती राज्य पंजाब लंबे समय तक उग्रवाद का दंश झेल चुका है और ऐसे में दहशत फैलाने की राजनीति खतरनाक हो सकती है। आप नेता ने केंद्र सरकार से इन घटनाओं की निष्पक्ष जांच कराने और देश की सुरक्षा से जुड़े सवालों पर जवाब देने की मांग की। पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता में सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पंजाब में हुए दोनों धमाके छोटे स्तर के थे और इनमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन भाजपा का पूरा तंत्र इसे बड़े खतरे के रूप में पेश करने में जुट गया। उन्होंने कहा कि दो छोटे धमाकों से जितनी दहशत नहीं फैली, उससे ज्यादा भाजपा अपने ट्रोल और प्रचार के जरिए फैलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर ऐसे धमाके अक्सर चुनावी माहौल में ही क्यों होते हैं और इससे किसे राजनीतिक फायदा मिलता है। भारद्वाज ने कहा कि भाजपा नेताओं के बयानों और घटनाओं की टाइमिंग पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा पंजाब में राजनीतिक जमीन तैयार करने के लिए इस तरह के नैरेटिव को बढ़ावा दे रही है।

दिल्ली धमाके को बीजेपी ने कमतर दिखाने की कोशिश की थी

सौरभ भारद्वाज ने पिछले साल दिल्ली में लाल किला क्षेत्र के पास हुए एक बड़े धमाके का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय सरकार ने घटना को कमतर दिखाने की कोशिश की थी और विपक्ष ने उस पर राजनीति नहीं की। इसके विपरीत अब छोटे धमाकों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है।

विवेक विहार अग्निकांड में पीड़ितों को दोषी ठहराकर सरकार छिपा रही है नाकामी

विवेक विहार अग्निकांड को लेकर आम आदमी पार्टी ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि पालम के बाद अब विवेक विहार मामले में भी सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए पीड़ितों को ही दोषी ठहरा रही है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सरकार का तर्क है कि मकान में ऊपर जाने के लिए केवल एक सीढ़ी थी, जिससे लोग बाहर नहीं निकल पाए। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर यही कारण था, तो बचाव कार्य शुरू होने में करीब 50 मिनट की देरी क्यों हुई? दमकल विभाग की गाड़ियां देर से क्यों पहुंचीं और मौके पर पहुंचने के बाद भी उपकरण चालू करने में समय क्यों लगा? साथ ही, फायर ब्रिगेड के वाटर कैनन में पानी का दबाव पर्याप्त क्यों नहीं था? उन्होंने कहा कि विवेक विहार जैसी पॉश कॉलोनी में हुई इस घटना में नौ लोगों की दर्दनाक मौत हुई। इसके बावजूद सरकार ने यह कहकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश की कि घर में लोहे के जाल और ऑटोमैटिक दरवाजों की वजह से लोग फंस गए। भारद्वाज ने इन दावों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि स्थानीय लोगों के अनुसार वहां ऑटोमैटिक ताले जैसी कोई व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने पालम अग्निकांड का जिक्र करते हुए कहा कि वहां भी सरकार ने संकरी गलियों और एक सीढ़ी का हवाला देकर पीड़ितों को ही जिम्मेदार ठहराया था। अब वही पैटर्न दोहराया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री और संबंधित मंत्रियों से सवाल किया कि क्या दिल्ली के अधिकांश घरों में एक ही सीढ़ी नहीं होती, फिर इस आधार पर दोष तय करना कितना उचित है?

कांग्रेस के फैसले से कोई हैरानी नहीं हुई : टीआर बालू

» कांग्रेस पर जमकर बरसी डीएमके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों में डीएमके को करारी हार का सामना करना पड़ा है। उधर टीवीके और कांग्रेस गठबंधन को हरी झंडी मिल गई है। इस गठबंधन को लेकर कांग्रेस की पुरानी साथी डीएमके खुलकर कांग्रेस की आलोचना कर रही है। डीएमके नेता टीआर बालू ने कहा है कि कांग्रेस ने उनके चरित्र का एक ऐसा पहलू उजागर कर दिया है, जो कुछ समय से छिपा हुआ था। उन्होंने कहा कि जब भी कांग्रेस पार्टी को किसी गंभीर स्थिति या संकट का सामना करना पड़ा, तो डीएमके एक अच्छे साथी के रूप में उनके साथ खड़ी रही, इस निष्ठा की हमें भारी कीमत चुकानी पड़ी है, फिर भी हमने इसे मुस्कुराते हुए सहन किया।

टीआर बालू ने कहा कि डीएमके ने सोनिया और मनमोहन सिंह का हमेशा साथ दिया,जबकि राहुल के साथ भी हमारी पार्टी के हमेशा अच्छे संबंध रहे, उन्होंने कई बार कहा है कि स्टालिन इकलौते ऐसे नेता हैं जिन्हें मैं भाई कहकर संबोधित करता हूं, आज जब मैंने यह खबर देखी कि कांग्रेस पार्टी ने इन संबंधों को खत्म करने का ऐलान किया है तो मुझे कोई सदमा या हैरानी नहीं हुई। टीआर बालू ने आगे कहा कि कांग्रेस ने तमिलनाडु में हमारे साथ मिलकर चुनाव लड़ा और पांच सीटें जीतीं. इसके बाद अब विश्वासघात करते हुए कांग्रेस ने विरोधी खेमे में पाला बदल लिया है। प्रभावी रूप से उन सीटों को बंधक बना लिया है। कांग्रेस पार्टी इस कदम को एक महान राजनीतिक रणनीति के रूप में पेश करने की कोशिश कर रही है और इसे वैचारिक सिद्धांतों का जामा पहनाकर सही ठहराने का प्रयास कर रही है। अवसरवाद को विचारधारा के मुखौटे से छिपाने का यह कुटिल प्रयास अपनी पूरी खोखली सच्चाई के साथ बेनकाब हो गया है. यह उन लोगों के साथ किया गया घोर विश्वासघात है, जिन्होंने इस विश्वास के साथ अपने वोट डाले थे कि डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार बनेगी।

आईसीसी ने जारी की टी20 की ताजा रैंकिंग

अभिषेक शर्मा और ईशान किशन का दबदबा कायम

» गेंदबाजों में राशिद शीर्ष पर, चक्रवती और बुमराह भी टॉप 5 में शामिल

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नईदिल्ली। आईसीसी ने टी20 की ताजा रैंकिंग जारी की है। बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारतीय टीम के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा शीर्ष पर बने हुए हैं। बांग्लादेश के खिलाड़ियों को ताजा रैंकिंग में फायदा हुआ है। टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में अभिषेक शर्मा नौ मार्च के बाद से कोई इंटरनेशनल टी20 नहीं खेलने के बावजूद पहले स्थान पर बने हुए हैं। ईशान किशन दूसरे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान तीसरे स्थान पर हैं।

इंग्लैंड के फिल सॉल्ट चौथे, श्रीलंका के पथुम निसांका पांचवें, भारत के तिलक वर्मा छठे, भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव सातवें, इंग्लैंड के जोस बटलर आठवें, दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस नौवें और जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट दसवें स्थान पर हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में अफगानिस्तान के राशिद खान पहले, भारत के वरुण चक्रवर्ती दूसरे,पाकिस्तान के अबरार अहमद तीसरे, इंग्लैंड के आदिल राशिद चौथे, भारत के जसप्रीत बुमराह पांचवें, ऑस्ट्रेलिया के एडम जैम्पा छठे, दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश सातवें, वेस्टइंडीज के मैथ्यू फोर्ड आठवें, अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान नौवें और ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस दसवें स्थान पर हैं। आईपीएल के दौरान अंतरराष्ट्रीय सीरीज न के बराबर होती है। कुछ दिन पहले न्यूजीलैंड की बी टीम बांग्लादेश में तीन टी20 मैच खेली थी। सीरीज ड्रॉ रही थी। बांग्लादेश के खिलाड़ियों को टी20 की बल्लेबाजी और गेंदबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

पाक के साथ द्विपक्षीय खेलों पर रोक जारी:खेल मंत्रालय

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने बुधवार को स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल संबंधों पर लगी रोक आगे भी जारी रहेगी। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय और बहुपक्षीय प्रतियोगिताओं में दोनों देशों के खिलाड़ियों की भागीदारी पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों, तकनीकी स्टाफ और अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों के पदाधिकारियों के लिए वीजा प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा, ताकि भारत को एक पसंदीदा खेल स्थल के रूप में स्थापित किया जा सके। सभी एनएसएफ, आईओए और साइ को जारी सर्कुलर में मंत्रालय ने कहा, द्विपक्षीय खेल प्रतियोगिताओं के संदर्भ में भारतीय टीमें पाकिस्तान नहीं जाएंगी और न ही पाकिस्तानी टीमों को भारत में खेलने की अनुमति दी जाएगी। अंतरराष्ट्रीय और बहुपक्षीय प्रतियोगिताओं के मामले में निर्णय अंतरराष्ट्रीय खेल संस्थाओं के नियमों और भारतीय खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखकर लिया जाएगा।

पंचकूला निगम चुनाव में भी वोटों की चोरी : रणदीप सुरजेवाला

» कांग्रेस सांसद ने लगाया भाजपा पर आरोप

4पीएम न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़ । कांग्रेस से राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने पंचकुला नगर निगम में वोट चोरी करने का गंभीर आरोप लगाया है। चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में सुरजेवाला ने कहा कि वोट चोर सरकार का नया कारनामा सामने आया है। अब ये पंचकूला में वोट चोरी करना चाहते हैं। भाजपा का मॉडल है कि वोट चोरी करो और चुनाव जीतो। उन्होंने कहा कि 8545 लोगों की 17086 डुप्लीकेट वोटर एंट्री है। यह 8 प्रतिशत से ज्यादा है।

अगर यह संख्या 2-4 लोगों की होती तो सामान्य गलती हो सकती थी लेकिन 17 हजार से ज्यादा लोगों की डुप्लीकेट एंट्री कोई सामान्य गलती नहीं है। आज पूरी वोटर लिस्ट दूषित और अशुद्ध है। वहीं हरियाणा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र ने कहा कि दिल्ली में हमारे नेता राहुल गांधी ने इसी तरह से फर्जी वोटों की पोल खोली थी। सिर्फ पंचकूला नगर निगम नहीं बल्कि सोनीपत और अंबाला नगर निगम में फर्जीवाड़ा संभावित है।

मैं आलाकमान का हर फैसला मानूंगा

» कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन पर सीएम सिद्धारमैया का बयान

4पीएम न्यूज नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को राज्य में तत्काल नेतृत्व परिवर्तन की संभावना से इनकार किया और साथ ही यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार अपना पूरा पांच वर्षीय कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा करेगी। मैसूर हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि वे नेतृत्व परिवर्तन के संबंध में पार्टी उच्च कमान द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय का पालन करेंगे, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें फिलहाल इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि पार्टी नेतृत्व द्वारा बुलाया गया तो वे नई दिल्ली जाएंगे।

उपचुनावों के समापन के बाद, उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार, जो मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार हैं, दिल्ली गए और राष्ट्रीय नेतृत्व से मुलाकात की। इसके तुरंत बाद, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के प्रति वफादार मंत्रिमंडल मंत्रियों के एक समूह ने दिल्ली में उच्च कमान से मुलाकात की और उनसे नेतृत्व को लेकर चल रही अनिश्चितता को दूर करने का आग्रह किया। वरिष्ठ विधायक भी दिल्ली जाने की योजना बना रहे थे। स्थानीय निकाय चुनावों से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में सिद्धारमैया ने कहा कि ये चुनाव शीघ्र ही कराए जाएंगे। श्रृंगेरी चुनाव परिणाम और पुनर्गणना विवाद पर मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा ने मतगणना प्रक्रिया के दौरान आपराधिक साजिश रची थी। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता टी. डी. राजेगौड़ा के पक्ष में डाले गए 255 वैध मतों को अमान्य घोषित कर दिया गया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि मतगणना के समय सत्ता में रही भाजपा ने अधिकारियों के माध्यम से मतपत्रों में हेराफेरी की, जिसे उन्होंने एक गंभीर आपराधिक कृत्य बताया। उन्होंने कहा कि श्रृंगेरी परिणाम को अदालत में चुनौती दी जाएगी।

मुख्यमंत्री पद में कोई परिवर्तन नहीं होगा : खरगे

इन सभी घटनाक्रमों के बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने घोषणा की कि मुख्यमंत्री पद में कोई परिवर्तन नहीं होगा। खरगे ने भी स्वीकार किया कि उन पर कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनने का दबाव है।

बिहार में 32 नए मंत्रियों ने शपथ ली, नीतीश के बेटे निशांत बने मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार संपन्न हुआ, जिसमें पीएम मोदी और नीतीश कुमार की मौजूदगी में निशांत कुमार समेत 32 नए मंत्रियों ने शपथ ली। यह विस्तार भाजपा के नेतृत्व में हुए सत्ता परिवर्तन को दर्शाता है, जहाँ अब जेडीयू और बीजेपी के विधायकों को मिलाकर नए मंत्रिमंडल का गठन किया गया है।

बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नीतीश कुमार, राजनाथ सिंह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और अन्य नेताओं की उपस्थिति में हुआ। मंत्रिमंडल विस्तार महत्वपूर्ण है, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हुए। सबसे पहले श्रवण कुमार, विजय कुमार सिन्हा, दिलीप कुमार जयसवाल, निशांत कुमार और लेशी सिंह ने बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ ली। पांच-पांच विधायकों ने एक साथ मंत्रीपद की शपथ ली है। दूसरी बार में राम कृपाल यादव, नीतीश मिश्रा, दामोदर रावत, संजय सिंह टाइगर और अशोक चौधरी ने पटना में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य नेताओं की उपस्थिति में बिहार के मंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद भगवान सिंह कुशवाहा, अरुण शंकर प्रसाद, मदन सहनी, डॉ. संतोष कुमार सुमन और रमा निषाद ने पटना में बिहार मंत्री के रूप में शपथ ली। रत्नेश सादा, कुमार शैलेन्द्र, शीला कुमारी, केदार प्रसाद गुप्ता और लखेन्द्र कुमार रौशन ने बिहार के मंत्री पद की शपथ ली। सुनील कुमार, श्रेयसी सिंह, मोहम्मद जमा खान, नंद किशोर राम, शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल और प्रमोद कुमार ने बिहार मंत्री के रूप में शपथ ली। हिंदी पट्टी के इस महत्वपूर्ण राज्य में सत्ता का नेतृत्व भाजपा को पिछले महीने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद मिला।

केरल में यूडीएफ के सीएम चेहरे पर चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा चुनावों में यूनाइटेड डेमोक्रटिक फ्रंट की महत्वपूर्ण जीत के बाद कांग्रेस नेताओं और एआईसीसी पर्यवेक्षकों अजय माकन और मुकुल वासनिक गुरुवार को तिरुवनंतपुरम में केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय पहुंचे, ताकि कांग्रेस विधायक दल की बैठक में भाग ले सकें।

पहुँचने पर अजय माकन ने पत्रकारों से कहा कि हम यहाँ मुख्यमंत्री पद की बैठक में शामिल होने आए हैं। देखते हैं कि विधायक क्या चाहते हैं। यह बैठक महत्वपूर्ण है क्योंकि यूडीएफ के नेतृत्व वाली पार्टी को निर्णायक जनादेश मिलने के बाद कांग्रेस नेतृत्व मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के चयन के लिए विचार-विमर्श शुरू कर रहा है।

किसानों के साथ वादाखिलाफी कर रही सरकार: जीतू पटवारी

आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे पर चक्काजाम मंत्री ने दी कार्रवाई की चेतावनी

» मप्र में किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस का हल्लाबोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल । मध्य प्रदेश में किसानों के मुद्दे पर गुरुवार को बड़ा सियासी टकराव देखने को मिलेगा। कांग्रेस ने आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे (एनएच-3) पर सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक प्रदेशव्यापी चक्काजाम का ऐलान किया है। करीब 747 किलोमीटर लंबे हाईवे पर सात प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शन होगा, जिसमें हजारों किसान और कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि सरकार किसानों के साथ वादाखिलाफी कर रही है। कांग्रेस का आरोप है कि गेहूं खरीदी 2700 रुपए प्रति क्विंटल के वादे के बावजूद 2625 रुपए में की जा रही है। साथ ही स्लॉट बुकिंग, भुगतान और सीमित खरीदी से किसान परेशान हैं। मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी, शाजापुर, इंदौर और खलघाट समेत कई पॉइंट पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आंदोलन की कमान संभालेंगे। आंदोलन में ग्वालियर-चंबल, मालवा, निमाड़ और भोपाल संभाग के कई जिलों के किसान शामिल होंगे। चक्काजाम को देखते हुए ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने वाहन चालकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। लोगों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने और समय से पहले यात्रा पूरी करने की सलाह दी गई है, ताकि जाम में फंसने से बचा जा सके।

व्यवस्था बिगाड़ी गई तो सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार कानूनी कार्रवाई

कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना ने कहा कि किसानों का एक-एक दाना खरीदेंगे कंसाना ने कांग्रेस के आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि सरकार घोषणा पत्र के मुताबिक खरीदी कर रही है और अब तक 8 लाख किसानों से 42 लाख टन गेहूं खरीदा जा चुका है। मंत्री ने दावा किया कि कुल 100 लाख मीट्रिक टन खरीदी की अनुमति मिली है और किसानों का एक-एक दाना खरीदा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भुगतान या स्लॉट बुकिंग की कोई समस्या नहीं है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि हाईवे जाम कर कानून व्यवस्था बिगाड़ी गई, तो सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गेहूं खरीदी बना बड़ा मुद्दा

कांग्रेस का कहना है कि समर्थन मूल्य को लेकर सरकार किसानों को गुमराह कर रही है। पड़ोसी राज्यों में ज्यादा भाव मिलने का हवाला देते हुए कांग्रेस ने धान खरीदी, खाद संकट और कृषि उपकरणों से जुड़े मुद्दों पर भी सरकार को घेरा है। अब देखना होगा कि किसानों के मुद्दे पर सड़क पर उतर रही कांग्रेस का यह शक्ति प्रदर्शन सरकार पर कितना दबाव बना पाता है।

मुसलमानों को सिर्फ वोट बैंक बनाकर नहीं रखा जा सकता : ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु में कांग्रेस और डीएमके का दशकों पुराना गठबंधन टूटने के बाद राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बीच ओवैसी ने मुसलमानों के स्वतंत्र राजनीतिक नेतृत्व की जरूरत पर जोर देकर नई बहस छेड़ दी है।

» कांग्रेस- डीएमके गठबंधन टूटने पर किया तीखा प्रहार

ओवैसी ने एक्स पर पोस्ट कर मुस्लिम समुदाय के स्वतंत्र राजनीतिक नेतृत्व की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय यानी मुसलमानों को केवल नाम के सेक्युलर दलों का वोटर बनकर नहीं रहना चाहिए। ओवैसी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि मुसलमानों को वास्तविक समानता, न्याय और सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि लंबे समय से सेक्युलर राजनीति के नाम पर मुस्लिम समुदाय का इस्तेमाल केवल वोट बैंक की तरह किया जाता रहा है। औवैसी ने दावा किया कि आने वाले समय में मुसलमानों का स्वतंत्र राजनीतिक नेतृत्व मजबूत होकर उभरेगा।

हमीरपुर में नाव हादसे में निकाले 3 शव लापता 3 लोगों के लिए सर्च ऑपरेशन जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। हमीरपुर के कुतुपुर में नाविक के मोबाइल पर बात करने से संतुलित खोकर पलटी नाव में डूबे 6 लोगों में से गुरुवार सुबह तक 3 के शव बरामद कर लिए गए हैं। मृतकों में 9 वर्षीय रानी, आंकाक्षा और महिला ब्रजरानी शामिल है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मूसलाधार बारिश के बीच यमुना के तेज बहाव में अभी भी लापता 3 बच्चों की तलाश कर रही हैं।

बता दें कि बेटी की विदा विदाई के बाद पड़ोसी, घरवाले और रिश्ते-नातेदार बच्चों के साथ खरबूजा खाने नाव से यमुना नदी पार चले गए और वापस आते समय नाविक मोबाइल से बात करने लगा। इसी दौरान नाव का संतुलन बिगड़ गया। जिससे नाव पलट गई और उसमें सवार मासूम बच्चों समेत नौ लोग डूब गए। घटना के कुछ ही देर बाद नाविक समेत तीन लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। वहीं छह लोग नदी में डूब गए। जिनकी तलाश के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और फ्लड पीएसी की टीम रातभर जुटी रही।

गुरुवार की सुबह करीब सात बजे एक महिला का शव मिला और वहीं इसके एक घंटे बाद नौ वर्षीय एक किशोरी का भी शव टीम ने बरामद कर लिया है। बारिश के बीच नदी में टीम के द्वारा रेस्क्यू किया जा रहा है। इस घटना से मृतकों के स्वजन बेहाल हैं वहीं गांव में मातम छाया हुआ है।

पश्चिम एशिया में जंग पर अब विराम लगाने में आएगी तेजी

आगे बढ़ी ईरान-अमेरिका वार्ता युद्धविराम पर जल्द बन सकती है सहमति

» इजरायल ने सीजफायर का उल्लंघन किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और संकट को खत्म करने की दिशा में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में बड़ी प्रगति होती दिखाई दे रही है। हालांकि इसबीच इजरायल ने बेरुत पर हमला कर सीजफायर का उल्लंघन किया है।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान गुरुवार को मध्यस्थ देशों के जरिए अमेरिका के उस प्रस्ताव पर अपना जवाब दे सकता है, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय संकट का समाधान निकालना और तनाव को पूरी तरह समाप्त करना है। दोनों एक प्रारंभिक समझोते की दिशा में आगे बढ़ रहे सूत्रों के अनुसार, तेहरान अभी भी अमेरिका समर्थित प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है, लेकिन दोनों पक्ष संभावित समझौते के काफी करीब पहुंचते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच जारी बातचीत एक प्रारंभिक समझौते की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिससे मौजूदा संकट को रोका जा सके और व्यापक परमाणु वार्ता का रास्ता तैयार हो सके। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों और वार्ता से जुड़े सूत्रों ने इसे संघर्ष शुरू होने के बाद का सबसे बड़ा कूटनीतिक घटनाक्रम बताया है। हालांकि अभी अंतिम समझौता नहीं हुआ है, लेकिन बातचीत सकारात्मक दिशा में बढ़ रही है।

प्रस्तावित समझौते का उद्देश्य?

रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित समझौता एक 14 बिंदुओं वाले एक पन्ने के मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर आधारित है। इसका उद्देश्य तत्काल युद्धविराम लागू करना और अगले 30 दिनों के भीतर व्यापक समझौते के लिए बातचीत शुरू करना है।प्रस्ताव के तहत ईरान अस्थायी रूप से अपने परमाणु संवर्धन कार्यक्रम को रोक सकता है। इसके बदले अमेरिका ईरान पर लगे कुछ प्रतिबंध हटाने और ईरानी संपत्तियों में फंसे अरबों डॉलर को जारी करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। साथ ही दोनों देश होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव कम करने और समुद्री आवाजाही को आसान बनाने की दिशा में भी काम करेंगे।

बातचीत के स्थान पर चर्चा

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में होर्मुज जलडमरूमध्य में सैन्य गतिविधियों को कम करने का फैसला इसी कूटनीतिक प्रगति को देखते हुए लिया था। इस पूरी कूटनीतिक प्रक्रिया का नेतृत्व अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि वे सीधे संपर्क और तीसरे पक्ष के मध्यस्थों के जरिए तेहरान से बातचीत कर रहे हैं। अगर यह समझौता औपचारिक रूप लेता है, तो इसे आधिकारिक तौर पर युद्ध समाप्ति की घोषणा माना जाएगा। साथ ही तकनीकी और परमाणु मुद्दों पर आगे की बातचीत इस्लामाबाद या जेनेवा में हो सकती है।

बेरुत में इजराइल का बड़ा हमला

इजराइल और हिजबुल्ला समूह के बीच 17 अप्रैल को युद्धविराम की घोषणा के बाद बुधवार को इजराइल ने पहली बार बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर हमला किया।इज़रायली सेना ने बेरूत के दक्षिणी इलाकों पर बमबारी की है और दावा किया है कि उन्होंने हिज़बुल्लाह की रिज़वान फ़ोर्स के कमांडर मालेक बालू को मार गिराया है। इससे पहले, बेरुत में आखिरी हमले आठ अप्रैल को हुए थे, जब मध्य बेरुत समेत कई जगहों पर इजराइल के हमलों में 350 से अधिक लोग मारे गए थे। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि बुधवार के हमले में हिजबुल्ला के रादवान बल के एक कमांडर को निशाना बनाया गया था। हिजबुल्ला ने इस पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा